

## इस अंक में...

- 7 सम्पादकीय
- 8 समसामयिकी घटना संग्रह
- 9 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

## 18 आर्थिक घटना संग्रह

- विभिन्न एजेंसियों द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था में वर्ष 2022-23 के लिए वृद्धि के पूर्वानुमान
- आरबीआई ने रेपो रेट 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.4 प्रतिशत निर्धारित की
- देश की पहली रैपिड ट्रेन बनकर तैयार
- इंडियन ऑयल ने बाजार में उतारा सस्ता ईंधन

## 22 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- देश का 52वाँ टाइगर रिजर्व बना रामगढ़ विषधारी अभयारण्य
- मुम्बई में कचरे से बनी बिजली से दौड़ेंगे वाहन
- आगरा में भारत का पहला वैक्यूम सीवर सिस्टम
- प्रधानमंत्री ने रायसीना डायलॉग के 7वें संस्करण का उद्घाटन किया
- केरल भारत का पहला सरकारी ओटीटी मंच शुरू करेगा
- RailTail ने 100 स्टेशनों पर शुरू की वाई-फाई योजना

## 26 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- दुनिया में तेजी से फैल रहा मंकीपॉक्स
- भारत सरकार ने UN को दिए 8 लाख डॉलर
- विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत का 150वाँ स्थान
- प्रधानमंत्री मोदी ने दूसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लिया
- प्रधानमंत्री मोदी की जर्मनी यात्रा में बनी रणनीति साझेदारी
- भारतीय प्रधानमंत्री की लुम्बिनी यात्रा

## 30 खेल खिलाड़ी

- आईपीएल इतिहास में एलएसजी की सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप
- 73 वर्ष बाद भारत ने बैडमिंटन में रचा इतिहास
- बंगाल को हराकर केरल ने जीता 7वाँ संतोष ट्रॉफी खिताब

## 34 विज्ञान समाचार

## 35 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

## 38 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

## लेख

- 42 सामाजिक लेख—असमानता से बढ़ रहा है सामाजिक असन्तुलन और पलायन
- 43 सामरिक लेख—दुनिया को स्पष्ट संदेश देते भारत के मिसाइल परीक्षण
- 44 सामयिक लेख—हत्या से अधिक आत्महत्याएं हो रही हैं
- 45 यातायात लेख—महत्वपूर्ण है सड़क सुरक्षा
- 46 शास्त्र लेख—तबाही मचाएंगे आधुनिक परमाणु हथियार
- 47 प्रौद्योगिकी लेख—(i) संचार की नई तकनीक का आविष्कार
- 48 (ii) क्वांटम कम्प्यूटर खोलेगा ब्रह्माण्ड का रहस्य
- 78 प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
- 80 तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-144 का परिणाम
- 82 रोजगार अवसर

## हल प्रश्न-पत्र

- 50 एस.एस.सी मल्टी टास्किंग (गैर-तकनीकी) स्टाफ परीक्षा, 2020
- 58 केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2021 (कक्षा I-V)

## मॉडल हल

- 72 आगामी उत्तर प्रदेश राजस्व लेखपाल मुख्य परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन

सम्पादक : राहुल जैन

रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2

ई-मेल : सम्पादकीय : [publisher@pdgroup.in](mailto:publisher@pdgroup.in) कस्टमर केयर : [care@pdgroup.in](mailto:care@pdgroup.in)

— सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005

फोन-4040735, 2530966

— दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002

फोन-011-23251844, 43259035

— पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, पटना-800 004

मो-09334137572

— हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (यूनियन बैंक के बगल में), हैदराबाद-500 036 (तेलंगाना)

मो-09391487283

— हल्द्वानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, हल्द्वानी, जिला-नैनीताल-263 139 (उत्तराखण्ड)

मो-07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे-इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनिकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुंचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सक्सेस मिरर' की नहीं है.

# अनिश्चितताओं और दुर्घटनाओं से युक्त जीवन को पार कीजिए



“When it is darkest, men see the stars.”

—Ralph Waldo Emerson

वस्तुस्थिति भी यही है कि हमारा जीवन भ्रांति-भ्रांति के खतरों और उनसे उत्पन्न अनिश्चितताओं से भरा हुआ है। अगले पल क्या दुर्घटना हो जाए? कोई नहीं कह सकता है। कहते सब हैं सामान सौ बरस का पल की खबर नहीं, परन्तु सामान्यतः हम लोग सौ बरस की कौन कहे। अगुणित वर्षों का प्रबन्ध करते हैं और वर्षों चलने वाले कार्यक्रम बनाते हैं। यदि ऐसा न करें, तो जीवन निष्क्रिय हो जाए। अनिश्चितताएं एवं भावी संकटों की आशंका के मध्य हमें जीवनयापन करना पड़ता है। इन अनिश्चितताओं और आसन्न संकटों की आशंकाओं से छुटकारा पल भर भी नहीं मिलता है। हम इस प्रकार के जीवन के अभ्यस्त हो गए हैं, परन्तु चिन्ताएं तो घेरे ही रहती हैं। व्याकुलता एवं बेचैनी, भय, चिन्ता आदि ऊर्जा पर अतिरिक्त भार डालती हैं। शारीरिक दुर्बलता इसका स्वाभाविक फल होता है। इसका दुष्परिणाम होता है प्रतिरोध शक्ति का क्षरण, जो शरीर में रोगों के कीटाणुओं के प्रवेश को सरल बना देता है। यही कारण है कि चिन्ता द्वारा ग्रसित व्यक्तियों का स्वास्थ्य प्रायः खराब रहता है। कारण स्पष्ट है। चिन्ता एवं व्याकुलता से उत्पन्न होने वाली समस्याएं हमारे शरीर के आवश्यक अंगों को दीमक की तरह खाती रहती हैं। व्याकुलता अथवा चिन्ता में कोई भी तत्व ऐसा नहीं होता है, जो धारणकर्ता को सकारात्मक अथवा भावात्मक चिन्तन की प्रेरणा प्रदान करे, यदि कदाचित् होता कि चिन्ता में सकारात्मक चिन्तन समाहित है, तो चिन्ता द्वारा हमारी अनेक समस्याओं का समाधान सहज ही हो जाया करता और चिन्ता अथवा व्याकुलता एक काम्य मनोभाव बन जाती। हम प्रायः व्याकुल तब होते हैं, जब किसी कार्य, घटना अथवा स्थिति के ऐसे परिणाम की आशंका होती है, जो हमारे नियन्त्रण की सीमा से परे है—यानी जिसके सन्दर्भ में हम अपने को विवश अनुभव करते हैं। ऐसे परिणाम की आशंका हमारी विवशता

की अनुभूति को तब तीव्रतर कर देती है जब वह हानिकारक और हमारे लिए पूर्णतः अहितकर सिद्ध होने वाला हो। ऐसी स्थिति में हमें अपने से यह प्रश्न करना चाहिए—क्या यह निश्चित है कि परिणाम प्रतिकूल एवं अहितकर होगा ही? क्या यह सम्भव है कि उसके साथ कोई हितकर परिणाम संलग्न हो? क्या परिणाम मिला-जुला नहीं हो सकता है। हम समझते हैं कि इस प्रकार के चिन्तन की प्रक्रिया हमारे मन के दबाव को बहुत कुछ हल्का कर देगी। अतएव ऐसे परिणाम के प्रति चिन्तित एवं बेचैन होने की क्या आवश्यकता है, जो हितकर भी हो सकता है, यदि तत्काल नहीं, तो कालान्तर में, इस प्रकार का सकारात्मक चिन्तन अस्वस्थ (विचारों को और उनके द्वारा स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को बहुत कुछ कम कर सकता है। चिन्ताओं के प्रभाव को कम करने का एक सरल उपाय है कि अनिश्चितता के सकारात्मक पक्ष का चिन्तन करें। सीधा-सा निष्कर्ष है अनिश्चय के हित पक्ष को निश्चय के साथ जोड़ दें।